ISSN-0970-7603
Peer Reviewed Journal

भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका

BHARATIYA SHIKSHA SHODH PATRIKA

वर्ष 35, अंक 2, जुलाई–दिसम्बर 2016
Vol. 35, No.2, July. - December -2016

भारतीय शिक्षा शोध संस्थान
सरस्वती कुंज, निराला नगर, लखनऊ–226020 (उत्तर प्रदेश)
Bharatiya Shiksha Shodh Sansthan
Saraswati Kunj, Nirala Nagar, Lucknow-226020 (Uttar Pradesh)
Ph. No. 0522-2787816, E-mail:sansthanshodh@gmail.com

Scanned by CamScanner

विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और समायोजन पर पड़ने वाला प्रभाव : एक अध्ययन

सोनिका जैन*

डॉ0 विष्णुकुमार**

Absract

This research work will become a guidline for Headmasters and Teachers in schools. By this work researchers can improve Educational achievements of weak students of Government Schools. For this it is the duty of teachers that they should help to improve Educational Achievements and Healthy Adjustment of Students by providing higher educational systems in schools. Effects of different geographical conditions are seen in positive and negative forms of personality development of students. Through this research work the researcher can make an awareness for sound personality, scientific ideas and good moral ideas among students and teachers in schools.

शिक्षा का उद्देश्य अच्छे मानव का विकास करना है जो व्यक्ति के शरीर, विचारों तथा व्यक्तित्व को इस प्रकार विकसित कर सके कि वह स्वयं के लिए तो लाभदायक हो ही साथ ही अन्य लोगों को भी लाभ पहुँचाए। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में रहता हुआ ही वह अपने जीवन के विभिन्न क्रियाकलापों को सम्पन्न करता है। विद्यार्थी समाज में अपने विभिन्न क्रियाकलापों को सम्पन्न करता हुआ अपने आस–पास के सामाजिक एवं भौतिक वातावरण को भी प्रभावित करता है। किसी भी स्थान की सभ्यता, संस्कृति, समायोजनशीलता, व्यक्तित्व तथा शिक्षा प्रणाली आदि पर उस स्थान की भौगोलिक परिस्थितियों का गहरा प्रभाव पड़ता है। विश्व के विभिन्न स्थानों की भौगोलिक स्थिति में भिन्नता पाई जाती है। निकोलस हेंस ने बताया कि स्कूलों की स्थापना, उपलब्धता, छात्रों का प्रवेश अथवा स्कूल जाना, स्कूली छुट्टियों का समय, पढ़ाई की अनेक प्रक्रियाओं आदि पर स्थानीय भूगोल का प्रभाव स्पष्ट रुप से दिखाई पड़ता है। अधिक ठण्ड वाले इलाकों में सर्दी की लम्बी छुट्टियां एक उदाहरण है। अलग–अलग स्थानों पर निवास करने वाले व्यक्तियों के रहन–सहन, सभ्यता, संस्कृति, व्यक्तित्व तथा उनकी समायोजनशीलता में भिन्नता पाई जाती है। जैसे ठण्डे जलवायु वाले सुन्दर प्रकृति वाले स्थानों पर निवास करने वाले निवासी सुन्दर, परिश्रमी तथा बुद्धिमान होते हैं। इसके विपरीत जहां की जलवायु गर्म, रेगिस्तानी होती है वहां के निवासी अस्वस्थ, काले, आलसी होते है। इसी प्रकार –मानव जीवन में समायोजन बहुत ही महत्वपूर्ण है। मनुष्य अपने अस्तित्व को बनाये रखने के लिए अपने वातावरण तथा अपनी भौगोलिक परिस्थितियों के साथ समायोजन करता है। समायोजन वह स्थिति है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति जिस समूह में रहता है उसी के अनुरुप व्यवहार करता है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरुप अपने आप को ढाल लेना ही समायोजन कहलाता है। आधुनिक जीवन में सफल समायोजन में व्यक्तित्व की लोकप्रियता ने व्यक्तित्व के वैज्ञानिक अध्ययन को बहुत अधिक प्रोत्साहित किया है। विद्यार्थियों को भौगोलिक परिस्थितियों में जो अनुभूतियां होती है उनका व्यक्तित्व विकास पर काफी प्रभाव पड़ता है। उचित भौगोलिक परिवेश तथा शिक्षण संस्थान के उचित वातावरण का प्रभाव परिलक्षित

* शोधार्थी, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनू, नागौर, राजस्थान।

** सहायक प्रोफेसर, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनू, नागौर, राजस्थान।

Scanned by CamScanner